

27/4/26

क्यावली पेय की कविबन्धु शक्ति
नयी बाल-2, हावाले ललाइ
गर्ज कालावत / कालावत शक्ति
नही घेने पर क्यावली काल
पेखी / काल घजरी के शक्ति
की जाती थी परावली काल
घेकल काल काल वै